

कांग्रेस ने चुनाव आयोग में की शाह की शिकायत



रायपुर (एजेंसी)।

कंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग में शिकायत की है। कांग्रेस का आरोप है कि शाह ने सोमवार को राजनांदगांव में भड़काऊ भाषण दिया है। जो आचार संहिता का उल्लंघन है। शाह का बयान ना केवल आपत्तिजनक है बल्कि इसका मकसद शांत प्रदेश छत्तीसगढ़ में सांप्रदायिक हिंसा भड़काना है।

कांग्रेस के प्रदेश संचार प्रमुख सुरील अनंद शुक्ला ने कहा कि गृह मंत्री ने चुनावी फायदे की नीति से उत्पाद भड़काने के लिए जो बयान दिया वो बिल्कुल झूटा है। उस मामले में सरकार ने तुरंत कारबाई की थी और अरोपियों को निपटाने कर जेल भेजा था। लेकिन अपनी हार से बौखलाए अमित शाह अब सांप्रदायिकता का सहारा लेना चाहते हैं।

शिकायत में कहा गया है कि भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और देश के गृह मंत्री अमित शाह ने राजनांदगांव से पार्टी प्रत्याशी डॉ रमन सिंह की नामांकन सभा में दिए अपने भाषण में दंगा भड़काने के मकसद से गलत बयानों की। उन्होंने वेमेता जिले के विनायु में हुई हत्या के मामले में सरकार पर सवाल उठाए थे।

## डोभाल बोले- आतंकवाद सबसे गंभीर खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) अंजीत डोभाल ने आतंकवाद को अंतरराष्ट्रीय शांति के लिए सबसे गंभीर खतरा बताया है। डोभाल ने ये भी कहा कि इसकी प्रेरणा या कारण चाहे जो भी हों, इसे सही नहीं ठहराया जा सकता। डोभाल मंगलवार 17 अक्टूबर को काजाखस्तान में दक्षिण एशियाई देशों के NSA के कांक्षले में बोल रहे थे।

डोभाल ने ये भी कहा कि भारत दक्षिण एशियाई देशों को यूनाइटेड प्रैमेंट इंटरफेस (UPI) से जुड़ी टेक्नोलॉजी प्रो में देने को तैयार है। इससे मेंट्रल एशिया के उन लोगों को काफी फायदा होगा, जो इलाज के लिए भारत आना चाह रहे हैं।

## पीएम बोले- दुनिया में एक नया वर्ल्ड ऑर्डर बन रहा

सबकी नजर भारत पर, जल्द ही हम दुनिया की टॉप 3 इकोनॉमिक पाँचर में से एक होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को ग्लोबल मैरीटाइम इंडिया समिट 2023 के तीसरे एडिशन का इन्वेंशन किया। पीएम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इस तीन दिवसीय कार्यक्रम से जुड़े।

इस दौरान पीएम ने कहा- हम इस समिट को लेकर इससे पहले 2021 में मिले थे, तब पूरी दुनिया कोरोना से घिरी हुई थी। तब कोई नहीं जानता था कि कोरोना के बाद की दुनिया कैसी होगी। आज दुनिया में एक नया वर्ल्ड ऑर्डर आकार ले रहा है।

उन्होंने कहा- इस बदलते हुए वर्ल्ड ऑर्डर में पूरा विश्व भारत की ओर नई आकांक्षाओं से देख रहा है। आर्थिक संकट से घिरी हुई दुनिया में भारत की अर्थव्यवस्था लगातार मजबूत हो रही है। वो दिन दूर नहीं जब भारत दुनिया की टॉप 3 इकोनॉमिक पाँचर में से एक होगा।

पीएम ने कहा- इतिहास साक्षी है कि जब भी भारत की मैरीटाइम क्षमता मजबूत रही है, देश और दुनिया को इससे बहुत फायदा हुआ है। इसी सोच के साथ वीरे 9 सालों से हम इस सेक्टर को मजबूत करने के लिए योजना बनाते हुए काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा- हाल ही में भारत की पहल पर एक ऐसा कदम उठाया गया है, जो 21वीं सदी में दुनिया भर की मैरीटाइम इंडस्ट्री को बदल सकता है। त20 समिट के दौरान इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर (IMEEC) पर ऐतिहासिक सहमति बनी है।

सेंकड़ों साल पहले सिल्क रस्ते ने ग्लोबल बिजनेस को बढ़ाया था, ये दुनिया के कई देशों के विकास का आधार बना था। अब ये ऐतिहासिक कॉरिडोर भी लोकल और ग्लोबल बिजनेस की इमेज को बदल देगा।

# दिव्य आफश

वर्ष-14, अंक - 28

कोरबा से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रथम बहुरंगी सामाजिक अखबार

कोरबा, शुक्रवार दिनांक 20 से 26 अक्टूबर 2023

सुविचार

बदलाव जीवन का सार है और जहां बदलाव नहीं वहां जीवन रुक सा जाता है।

पृष्ठ-6 मूल्य ₹ 3.00

## 2040 तक चंद्रमा पर इंसान भेजेगा भारत

पीएम मोदी ने कहा- 2035 तक स्पेस स्टेशन बनाएं, 2025 में गगनयान से इंसान को स्पेस में भेजें

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) 2040 तक चंद्रमा पर इंसान को भेज सकता है। 2035 तक अपना स्पेस स्टेशन बना सकता है। हालांकि इससे पहले 2025 में बहु अंतरिक्ष में मानव मिशन गगनयान भेजेगा। यह टारगेट मंगलवार यारी 17 अक्टूबर को इसरो के वैज्ञानिकों के साथ पीएम मोदी की मीटिंग में किए गए।

प्रधानमंत्री मोदी ने 21 अक्टूबर को भारत के पहले ह्यूमन स्पेस फ्लाइट मिशन गगनयान के क्रू एक्स्प्रेस सिस्टम की ट्रेस्टिंग की तैयारियों की जानकारी भी ली।

पीएम ने बताया कि भारत की पहली मानव अंतरिक्ष उड़ान 2025 में होने की संभावना है। पीटीएम में प्रधानमंत्री ने इसरो के वैज्ञानिकों से कहा कि हमें 2035 तक अपना स्पेस स्टेशन बनाने और 2040 तक चंद्रमा पर मानव भेजने की योजना पर काम करना चाहिए। पीएम ने वीनस ऑर्बिटर मिशन और मार्स लैंडर पर भी काम करने को कहा।

गगनयान के क्रू एक्स्प्रेस सिस्टम की ट्रेस्टिंग 21 अक्टूबर को सुबह 8 बजे इसरो मिशन गगनयान के क्रू मॉड्यूल को उड़ान से पहले 8 बजे के बीच करेगा। आसान भाषा में कहें तो मिशन के दौरान रॉकेट में गड़बड़ी होने पर अंदर मौजूद एस्ट्रोनॉट को पुर्यो पर सुरक्षित लाने वाले सिस्टम की ट्रेस्टिंग होगी। गगनयान मिशन को ट्रेस्ट करेगा। अगले साल की शुरुआत में गगनयान मिशन का पहला अनमैन्ड मिशन प्लान किया गया है। अनमैन्ड मिशन यारी इसमें किसी भी मानव को स्पेस में नहीं भेजा जाएगा। अनमैन्ड मिशन के सफल होने के बाद मैन्ड मिशन होगा, जिसमें इंसान स्पेस में जाएंगे।

LVG से मिशन गगनयान के तहत इसरो ने अगले लिए 21 अक्टूबर को सुबह 8 बजे के बीच करेगा। आसान भाषा में कहें तो मिशन के दौरान रॉकेट में गड़बड़ी होने पर अंदर मौजूद एस्ट्रोनॉट को पुर्यो पर सुरक्षित लाने वाले सिस्टम की ट्रेस्टिंग होगी। गगनयान मिशन के लिए इसरो ने की थी अगले साल की शुरुआत में गगनयान मिशन का पहला अनमैन्ड मिशन प्लान किया गया है। अनमैन्ड मिशन के सफल होगा, जिसमें इंसान स्पेस में जाएंगे।

गगनयान मिशन के लिए इसरो ने अगले लिए 3 दिनों के मिशन के लिए 3 सदस्यों के दल को 400 KM ऊपर पुर्यो की कक्षा में भेजा जाएगा। इसके बाद क्रू मॉड्यूल को सुरक्षित रूप से समुद्र में लैंड कराया जाएगा। अगले भारत अपने मिशन में कामयाब रहा तो वो ऐसा करने वाला चौथा देश बन जाएगा। इसे पहले अमेरिका, चीन और रूस ऐसा कर चुके हैं।

गगनयान मिशन के लिए इसरो ने की थी पैराशूट की ट्रेस्टिंग इससे पहले ISRO ने गगनयान मिशन के लिए ड्रैग पैराशूट का सफल परीक्षण 8



### समुद्र में क्रू मॉड्यूल की लैंडिंग कराई जाएगी

टेस्ट व्हीकल क्रू मॉड्यूल को ऊपर ले जाएगा। फिर अबॉर्ट जैसी सिचुरेशन बनाई जाएगी। लगभग 17 किमी की ऊंचाई पर जब रॉकेट सार्ड की स्पीड से 1.2 गुना होगा तो इससे क्रू मॉड्यूल और क्रू एक्स्प्रेस सिस्टम अलग हो जाएगा। क्रू मॉड्यूल को यहां से लगभग 2 Km दूर ले जाया जाएगा और श्रीहरिकोटा से 10 Km दूर समुद्र में लैंड कराया जाएगा।

इस मिशन में वैज्ञानिक यह टेस्ट करेंगे कि अबॉर्ट ट्रैकेटरी क्या ठीक तरह से काम कर रही है। असल मिशन के दौरान रॉकेट में खराबी आने पर एस्ट्रोनॉट कैसे सुरक्षित रूप से लैंड करेंगे। कुल चार टेस्ट फ्लाइट भेजी जानी हैं। TV-D1 के बाद D2, D3 और D4 को भेजा जाएगा। अगले साल की शुरुआत में गगनयान मिशन का पहला अनमैन्ड मिशन प्लान किया गया है। अनमैन्ड मिशन यारी इसमें किसी भी मानव को स्पेस में नहीं भेजा जाएगा। अनमैन्ड मिशन के सफल होने के बाद मैन्ड मिशन होगा, जिसमें इंसान स्पेस में जाएंगे।

इसके लिए 21 अक्टूबर को सुबह 8 बजे के बीच करेगा। आसान भाषा में कहें तो मिशन के दौरान रॉकेट में गड़बड़ी होने पर अंदर मौजूद एस्ट्रोनॉट को पुर्यो पर सुरक्षित लाने वाले सिस्टम की ट्रेस्टिंग की गई थी।

तीन एस्ट्रोनॉट 400 KM ऊपर जाएंगे, 3 दिन बाद लौटेंगे।

गगनयान मिशन के लिए इसरो ने अगले 3 दिनों के मिशन के लिए 3 सदस्यों के दल को 400 KM ऊपर पुर्यो की कक्षा में भेजा जाएगा। इसके बाद क्रू मॉड्यूल को सुरक्षित रूप से समुद्र में लैंड कराया जाएगा। अगले भारत अपने मिशन में कामयाब रहा तो वो ऐसा करने वाला चौथा देश बन जाएगा। इसे पहले अमेरिका, चीन और रूस ऐसा कर चुके हैं।

गगनयान मिशन के